केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 39 शनिवार 31 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गांव के पास मिला नवजात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के दसकोलवा गांव के पास शुक्रवार सुबह एक अज्ञात नवजात शिशु पड़ा हुआ देखा गया। स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना चौकी प्रभारी महसो अनस अख्तर को दिया गया। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी द्वारा नवजात शिशु को अपने कब्जे में लेकर महिला चिकित्सालय बस्ती ले जाकर भर्ती कराया गया जहाँ डॉक्टर द्वारा उसका इलाज किया गया। डॉक्टर ने बताया कि नवजात शिशु अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है।

दो अधिकारियों से मण्डलायुक्त ने मांगा स्पष्टीकरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की मण्डलीय समीक्षा बैठक में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 वक्फ विकास निगम लि. के अधिकारी अनुपस्थित रहने पर आप से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा नही की जा सकी। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने लिखे पत्र में कहा है कि समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने के संबंध में स्वयं उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण उप निदेशक अर्थ एवं सख्या बस्ती के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने समस्त मण्डलीय अधिकारी, समस्त कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया है कि प्रायः देखा जाता है कि निर्माण कार्यो की मण्डलीय समीक्षा बैठक में उत्तरदायी अधिकारी किसी अन्य जनपद/मण्डल का अतिरिक्त प्रभार होने की स्थिति में बैठक में उपस्थित नही होते है और ना ही बैठक में अपनी उपस्थिति के संबंध में किसी प्रकार की सूचना देते है। ऐसी स्थिति में उनके विभाग/संस्था से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा नही हो पाती। तत्कम में आपको निर्देशित किया जाता है कि यदि आपके पास अन्य जनपद/मण्डल का अतिरिक्त प्रभार हो तो अपने मूल तैनाती के जनपद/मण्डल व अतिरिक्त प्रभार के जनपद/मण्डल में सप्ताह में किन–किन दिवसों में उपस्थित रहना है, अपना कार्यकम बनाकर उप निदेशक अर्थ एवं संख्या बस्ती के माध्यम से उनके कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

युवक का शव बरामद: हत्या की आशंका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर बाजार थाना क्षेत्र के कोठवाभरतपुर गांव में रास्ते के किनारे युवक का शव मिला। युवक की पहचान संतोष (30) पुत्र बमभोले के रूप में हुई। वह राजगीर का काम करता था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिजनों के अनुसार संतोष गुरुवार को खलीलाबाद काम करने गया था। वह शाम को घर लौटा। कुछ लोग उसे बुलाकर ले गए और वह रात में नहीं लौटा।

संतोष का शव शुक्रवार को सुबह गांव के रास्ते से किनारे मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा।

सिपाही भर्ती में चौथे दिन 28.20 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा, 13 गिरफ्तार, 94 मिले संदिग्ध

लखनऊ (आभा)। प्रदेश पुलिस में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के चौथे दिन 21.80 फीसद अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। शुक्रवार को परीक्षा में 6,91,936 अभ्यर्थी शामिल हुए, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है। वहीं परीक्षा में सेंध लगाने का प्रयास करने वाले 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 3 सॉल्वर हैं। वहीं परीक्षा से पूर्व 94 अभ्यर्थियों के दस्तावेज संदिग्ध पाए गए, हालांकि उन्हें परीक्षा देने दी गई। उनके दस्तावेजों की स्क्रूटनी उप पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा की जाएगी।

डीजीपी मुख्यालय के मुताबिक शुक्रवार को परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों का प्रयोग करने और दूसरे की जगह परीक्षा देने का प्रयास करने वाले 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सहारनपुर में सर्वाधिक 4 अभ्यर्थी पकड़े गए, जिनमें राजस्थान के धौलपुर निवासी जितेंद्र सिंह, बागपत निवासी प्रभात तोमर, मेरठ निवासी प्रशांत किशोर और बुलंदशहर निवासी सतीश शामिल है। चारों फर्जी दस्तावेज बनाकर परीक्षा में शामिल होने की जुगत में थे। इसके अलावा मेरठ से 3 अभ्यर्थी मुरादाबाद निवासी प्रशांत कुमार, बिजनौर निवासी रणवीर सिंह और प्रवेंद्र सिंह को फर्जी दस्तावेजों के जरिए परीक्षा देने के प्रयास के दौरान पकड़ा गया है। वहीं फतेहपुर में औरैया निवासी ऋषि कुमार को दो अलग–अलग आधार कार्ड मिलने पर गिरफ्तार कर लिया गया। एटा में आगरा निवासी अतुल भदौरिया को अपने भाई नितिन के स्थान पर परीक्षा देते हुए और फिरोजाबाद निवासी अजय कुमार को फर्जी दस्तावेज बनाकर वास्तविक अभ्यर्थी अमित कुमार के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। जौनपुर में मऊ निवासी अभय मद्धेशिया को आधार कार्ड और प्रवेश पत्र में अलग–अलग जन्मतिथि होने तथा फतेहपुर निवासी रागवेंद्र प्रताप वर्मा को अभ्यर्थी वीरेंद्र कुमार के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया है। कानपुर में मैनपुरी निवासी प्रदीप कुमार को फर्जी दस्तावेज मिलने पर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ 11 मुकदमे भी दर्ज किए गए हैं। बता दें कि भर्ती बोर्ड द्वारा विगत 23, 24, 25 अगस्त को परीक्षा का सकुशल आयोजन करने से अभ्यर्थियों का हौसला बढ़ा है, जिसकी वजह से परीक्षा के चौथे दिन अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। शुक्रवार को पहली पाली में 71.51 फीसद, जबकि दूसरी पाली में 72.09 फीसद अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं परीक्षा से पहले दस्तावेजों की जांच के लिए बोर्ड द्वारा कराई गई ई–केवाईसी के दौरान पहली पाली में 61 और दूसरी में 33 संदिग्ध अभ्यर्थी मिले। अब शनिवार को परीक्षा का अंतिम दिन है, जिसके बाद ओएमआर शीट्स की जांच की जाएगी। तत्पश्चात भर्ती बोर्ड द्वारा परीक्षा का रिजल्ट जारी किया जाएगा। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को उनके दस्तावेजों के परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

कड़ी सुरक्षा में हुई परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा 2024 शुक्रवार को मुख्यालय के 12 केंद्रों पर 10 बजे से पहली पाली में शुरू हुई। केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने सुबह आठ बजे रिपोर्ट किया। एक–एक अभ्यर्थी को तलासी बाद केंद्र पर प्रवेश कराया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की गाड़ियां परीक्षा के दौरान दौड़ती रही। शुक्रवार को दोनों पालियों में 8352 अभ्यर्थी पंजीकृत रहे। प्रवेश के समय अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र, पहचान पत्र और फोटो की मिलान किया गया। यह परीक्षा किसान पीजी कॉलेज, किसान इंटर कालेज, जीआरएस इंटर कालेज, एपीएन पीजी कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स कॉलेज, खैर इंडस्ट्रियल कॉलेज, जीआईसी, जीजीआईसी, एसकेपी, श्रीमती कृष्ण कुमारी पांडेय गर्ल्स कॉलेज, महिला पीजी कॉलेज व श्याम बहादुर आर्य कन्या इंटर कालेज पर हुई।

बिना पहचान पत्र अब अस्पताल में नहीं रुक सकेंगे तीमारदार

लखनऊ (आभा)। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई अमानवीय घटना को लेकर यूपी का स्वास्थ्य महकमा भी अलर्ट है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी प्रदेश के अस्पताल प्रबंधन को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम का कहना है कि अस्पताल के स्टाफ की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अब बिना पहचान पत्र के अस्पतालों में नहीं रुक सकेंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सालयों में अमूमन ऐसे लोगों को देखा जाता है, जिनका कोई भी रोगी अस्पताल में भर्ती नहीं है। वे सिर्फ रात्रि विश्राम के लिए अस्पतालों में रुक जाते हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।

वार्ड, आईसीयू, रेस्ट रूम, इमरजेंसी वार्ड, आईपीडी विभाग में रात्रि प्रवेश के लिए तीमारदारों को प्रवेश पत्र निर्गत किए जाएं। उन्होंने बताया कि रात्रि ड्यूटी में महिला चिकित्सकों, स्टाफ नर्सो को रोगियों को देखने के लिए अन्य ब्लॉक एवं वार्ड में जाना पड़ता है। उनके आने–जाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की जाए।

छात्राओं में प्रबंधक सुभाष त्रिपाठी ने वितरित किया स्मार्ट फोन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया नगर पंचायत में स्थित ब्रह्मदेव इंद्रमती त्रिपाठी महिला पीजी कॉलेज में स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीएससी तृतीय वर्ष की छात्राओं में स्मार्टफोन का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रबंधक सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने स्मार्टफोन वितरित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव गरीब का बच्चा भी डिजिटल से दूर ना हो, इसीलिए कॉलेज और विद्यालय के बच्चों को टैबलेट, लैपटॉप, मोबाइल फोन आदि मुहैया कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन मिलने के बाद आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। प्रबंधक ने कहा कि आप सब हमेशा अपनी रुचि के अनुसार लक्ष्य के प्रति संकल्पित हो तथा सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका का निर्वहन करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवेश शुक्ल, प्रभाकर पाण्डेय, डीडी त्रिपाठी, ज्योतिमा पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

ननिहाल आये मासूम का शव गड्ढे से बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के देईसांड़ बानपुर मार्ग पर ननिहाल आए सात वर्षीय मासूम का शव पानी भरे गड्ढे में मिला। ननिहाल के लोग इलाज के लिए पी एच सी बनकटी ले कर गए जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया बस्ती जिला अस्पताल पहुंचते ही डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार संतकबीरनगर के महुली थाना क्षेत्र के दौलत पुर निवासी त्रिलोकी विश्वकर्मा भोगी पुर में किराए के मकान में रहते थे। उन्होंने अपने बेटी पूजा की शादी गोरखपुर के सहजनवा में की थी करीब एक महीने पूर्व बेटी पूजा अपने तीन बेटों सुशांत 12वर्ष, भोला 7 वर्ष व गुड्डू 3 वर्ष के साथ भोगी पुर मैयके में आई हुई थी। दोपहर करीब तीन बजे भोला खेलने निकल गया और काफी देर तक नहीं लौटा तो ननिहाल के लोग उसे खेत तालाब झाड़ में खोजने लगे काफी देर तक खोज बीन पर न मिलने पर लालगंज थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर लालगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार गौड़ पुलिस टीम के साथ पहुंच कर देईसांड़ सहित आस पास के इलाकों में काफी समय तक खोजने के दौरान उसके मकान से थोड़ी दूर पर एक पानी भरे गड्ढे में भोला बेहोशी हालत में मिला ननिहाल के लोग बिना देर किए इलाज हेतु पी एच सी बनकटी ले कर गए जहां से उसे जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया गया जहां पर पहुंचते ही डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है

आप गांवों का विकास करें हम सहयोग को तैयार- अनिल दुबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती)। कुदरहा ब्लाक के दुष्ध सभागार में ब्लाक प्रमुख की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधानों की आवश्यक बैठक की गयी। जिसमें ग्राम प्रधानों के मनरेगा द्वारा पक्के कार्य का भुगतान न कने का मामला छाया रहा। एडीओ पंचायत सुवाष चंद्र ने बैठक में सभी सदस्यों को मुख्य एजेंडे को पढ कर सुनाया।

महादेवा विधायक दूध राम ने कहा कि ग्राम पंचायतों का विकास विना भेद–भाव के करे। जिसका लाभ प्रत्येक व्यक्ति मिल सके। गांव का विकास सभी लोग मिल करे। ग्राम प्रधान का चुनाव बहुत ही कठिन होता है। जो चुन कर आए है सभी को एक निगाह से देखना चाहिए। बीडीओं पर तंग कसते हुए कहा कि आप द्वारा प्रधानो का चेहरा देख कर कार्य किए जाने की शिकायत मिल रही ऐसा नही होना चाहिए। ब्लाक का विकास करो मेरी जहा अवश्यकता पडे हम तैयार है।

ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने सभी जनप्रतिनिधियो का स्वागत करते हुए कहा कि आवास सूची शीघ्र बनने वाली है सभी अपने–अपने गांव के पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाए। आप सभी गांव का विकास करे हम मदद के लिए तैयार है। खण्ड विकास अधिकारी कुलदीप कुमार ने ब्लाक में संचालित योजनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा प्रधानमंत्री आवास का सर्वे टेक्निकल टीम द्वारा शीघ्र होने जा रहा है। आप सभी टीम का सहयोग करें। आवास की पात्रता की श्रेणी में परिवर्तन हुआ है। दो पहिया वाहन वाले लाभार्थी भी अब आवास का सकेंगे। गांव के लोगो को यदि आनलाइन का कोई कार्य पडे तो वह पंचायत सहायकों से करा सकता है। सभी सचिव इसकी मानीटरिंग करते रहे। ग्राम प्रधानों का मनरेगा के तहत सामग्री का भुगतान न होने से असंतुष्ट लोगों को समझाया।

जिला पंचायत सदस्य ब्रह्मदेव यादव देव ने ग्राम प्रधानों का मनरेगा बजट बढाने तथा आगामी समय में आने वाले मैटेरियल के धन के भुगतान में अनियमिकता न करने को कहा। क्षेत्र पंचायत सदस्य व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण त्रिपाठी ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों का पक्ष रखा। सीडीपीओ देवेंद्र मिश्रा, एडिओ पंचायत सुभाष चंद्र, संदीप अमेटा, देवेंद्र यादव, राधा गुप्ता ने अपने–अपने विभाग के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन एडिओ पंचायत सुभाष चंद्र ने किया।

बैठक में अमित शुक्ला, अभिषेक दुबे, अजय पाल, अरुण चौधरी, राम प्रकाश यादव, इंद्र कुमार चौधरी, रमेश चौधरी, मो ह्यूम, आनंद सिंह, रवि पांडेय, विजली गिरी, संजय, पप्पू गुप्ता, शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, दीपक श्रीवास्तव, वृजेश दुबे, गोरखनाथ यादव, रवि पांडे, अनुपम चौधरी, घनश्याम यादव, महेंद्र यादव सहित ग्राम प्रधान व बीडीसी मौजूद रहे।

क्षेत्र पंचायत की आवश्यक बैठक में ब्लाक कर्मी ही नही पहुंचे। जब कि बीडीओं के पत्र में सभी कर्मचारी को उपस्थित होना था। लेकिन एक भी तकनीकी सहायक व अवर अभियंता नही पहुंचे। इतना ही नही खंड शिक्षाधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, सहायक अभियंता विद्युत व थानाध्यक्ष लालगंज व कलवारी नही पहुंचे।

–क्षेत्र पंचायत कुदरहा की बैठक सम्पन्न,दिया योजनाओं की जानकारी

-ग्राम पंचायतों का विकास विना भेद-भाव के करें- दूधराम

भाजपा में शामिल हुए झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन

राची (आभा)। चंपई सोरेन ने झामुमो से इस्तीफा देने के बाद आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मौजूद रहे। हाल ही में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा में खुद का अपमान होने की बात कह कर पार्टी से अलग राह तलाशने की बात कही थी। इसके बाद दिल्ली में चंपई की भाजपा नेतृत्व से मुलाकात की थी। इसके बाद बीते 28 अगस्त को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा से इस्तीफा दिया था। अपने इस्तीफे को एक्स पर पोस्ट करते हुए चंपई सोरेन ने लिखा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से त्याग पत्र दिया था। झारखंड के आदिवासियों, मूल वासियों, दलितों, पिछड़ों और आम लोगों के मुद्दों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा। चंपई ने 1974 में जमशेदपुर स्थित राम कृष्ण मिशन हाई स्कूल से 10वीं की पढ़ाई की थी। जब बिहार से अलग झारखंड राज्य की मांग उठ रही तो उस दौरान चंपई का नाम खूब चर्चा में रहा। श्कोल्हान के टाइगरश के नाम से मशहूर चंपई इस आंदोलन के लिए समर्थन जुटाने में अहम भूमिका निभाते थे। उनकी सक्रियता में 1990 के दशक में जमशेदपुर में टाटा स्टील फैक्ट्री के गेट पर एक चर्चित आंदोलन शामिल है। शिबू सोरेन के साथ ही चंपई ने भी झारखंड के आंदोलन में भाग लिया। इसके बाद ही लोग उन्हें श्झारखंड टाइगरश के नाम से भी बुलाने लगे। चंपई संयुक्त बिहार में 1991 में उपचुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने थे। के.सी. मार्डी के इस्तीफे के बाद चंपई ने बतौर निर्दलीय चुनाव जीता था। फिर 1995 में झामुमो के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने थे। वहीं 2005 में चंपई झारखंड विधानसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2009 में भी विधायक बने। उन्होंने अर्जुन मुंडा वाली सरकार में सितंबर 2010 से जनवरी 2013 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, श्रम और आवास मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। वहीं जुलाई 2013 से दिसंबर 2014 तक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, परिवहन कैबिनेट मंत्री थे।

बीडीओ पर प्रधानों ने लगाया अवैध वसूली का आरोपः जिला पंचायत अध्यक्ष को सौंपा मांग पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर (बस्ती)। रामनगर विकास खंड के ग्राम प्रधानों ने शुक्रवार को दिन मनरेगा के तहत कराए गए पक्के कार्यों में नियम विरुद्ध भुगतान को लेकर ब्लॉक के गेट पर ताला लगाकर धरना प्रदर्शन किया, इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी पहुंचे जिन्हें प्रधानों ने मांग पत्र सौंपा।

प्रधानों ने खण्डविकास अधिकारी ,गणेश दत्त शुक्ला , कम्प्यूटर ऑपरेटर अरविंद यादव , लेखाकार मनोज श्रीवास्तव पर कमीशनखोरी का गंभीर आरोप लगाया। प्रधानों ने बताया कि भुगतान करने के लिए बीडीओ द्वारा 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही थी जबकि पहले से ही 5 प्रतिशत कमीशन वसूला जा रहा है , लेकिन जब 10 फीसदी कमीशन की रकम नही मिली तो सीरियल तोड़कर भुगतान कर दिया गया जो पूरी तरह से नियम के खिलाफ है।

आक्रोशित प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी एवं अकाउंटेंट के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी मौके पर पहुंच कर प्रधानों की समस्या को सुना और फोन पर जिलाधिकारी से वार्ता कर प्रधान की समस्याओं के निस्तारण के लिए कहा ।

प्रधानों ने आरोप लगाया है कि 16 महीने से मनरेगा द्वारा कराए गए पक्के कार्यों का भुगतान नहीं किया गया है। जब पैसा आया भी तो बीडीओ द्वारा मनमाने तरीके से क्रम को तोड़कर भुगतान कर दिया गया। उनका कहना है कि कुछ ग्राम पंचायतों का केवल इसी वर्ष का ही भुगतान किया गया है। अभी भी सभी ग्राम पंचायतों का पिछले वित्तीय वर्ष का भुगतान लटका हुआ है।

संगठन के ब्लाक अध्यक्ष पवन द्विवेदी उर्फ मंटू ने कहा कि जब तक उच्चाधिकारी मौके पर पहुंच कर प्रधानों की समस्या का पूरी तरह से निस्तारण नही करेंगे तब तक अनिश्चित काल तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

इस मौके पर वीरेंद्र चौधरी, राजू चौधरी, दीपचंद यादव, प्रेम प्रकाश, ऋषभ सिंह, मोहम्मद कयूम, राम सजीवन, हरीशलाल, मनोज कुमार, मोहम्मद रईस, जयराम चौधरी, जसवंत दुबे, शंभू जायसवाल, दिनेश कुमार , रामावतार ,तबारक खान ,मणीन्द्र सिंह , पिंटू दुबे ,सत्य प्रकाश , जैशराम चौरसिया , राजकुमार चौधरी ,दिनेश कुमार (रिंकू)केशव प्रसाद यादव , डब्लू चौधरी ,रामसागर चौधरी , हरीश कुमार ,कुंवरपाल चौधरी ,सुभाष पाल , बाबूलाल , सोहन कुमार ,लालमन चौधरी ,जगदीश चौधरी , बंटू तिवारी ,रसीद अहमद ,धरुबलाल चौधरी ,अभिवन सिंह ,अरुण चौधरी ,मनोज पाण्डेय , संजय पाण्डेय ,श्याम बिहारी ,राजेश चौधरी , मणीन्द्र चौधरी ,धारीलाल , मनोज यादव , इम्तियाज अहमद , समेत कई ग्राम प्रधान शामिल रहे ।

जनहित के सवालो को लेकर चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' का धरना 2 सितम्बर से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनहित के 6 जमीनी सवालों को लेकर संघर्षरत सामाजिक कार्यकर्ता और भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने अधिकारियों द्वारा प्रभावी कार्यवाही न किये जाने के सवालों को लेकर आगामी 2 सितम्बर से जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दिया है। शुक्रवार को प्रेस क्लब सभागार में पत्रकारों से वार्ता के दौरान चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने कहा कि जनपद के शिक्षा, चिकित्सा, राजस्व सहित अनेक विभागों में कुछ कर्मचारियों से लेकर उच्चाधिकारियों तक की कार्य शिथिलता का दंश न केवल आम जनता झेल रही है अपितु खुद भाजपा कार्यकर्ताओं तक को न्याय के लिये विभागों का चक्कर काटना पड़ रहा है । कहा कि वे खुद बीते कुछ माह से जनहित की तमाम अनियमितता की शिकायत सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ साथ जिलाधिकारी बस्ती से करते चले आ रहें हैं किन्तु आश्वासन के सिवाय कुछ नही हो रहा है। कुछ दिन व्यवस्था ठीक रहती है पुनः उसी ढर्रे पर चलने लगती है ऐसी ही समस्याओं के निराकरण हेतु बीते 12 अगस्त को सैकड़ों समर्थकों संग जिलाधिकारी कार्यालय पर धरने पर बैठा तो वार्ता के क्रम में जिलाधिकारी ने एक सप्ताह में समस्या समाधान का आश्वासन तो दिया किन्तु आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ऐसी दशा में वे पुनः आन्दोलन करने को बाध्य है ।

–विभागीय अधिकारियों पर लगाया अनदेखी का आरोप

पत्रकारों से बातचीत में चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने कहा कि वे लगातार हरैया 100 शैय्या अस्पताल में मनमाने ढंग से हुए आउटसोर्सिंग भर्ती व अन्य अनियमितता की जांच, क्षेत्र के 84 कोसी परिक्रमा मार्ग अन्तर्गत आने वाले गांवों के सर्किल रेट के अनियमितता में सुधार, हरैया के बड़हर पेट्रोल पंप के बगल से जाने वाले महुघाट विशेषरगंज मार्ग पर मानक विरुद्ध भारी वाहनों के आवागमन से सड़क को बदहाल होने से बचाने व सुरक्षित यातायात हेतु हाईट वैरियर लगाने, तीन वर्षों से एक ही विकास खण्ड में तैनात खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा द्वारा कर्मचारी सेवा नियमावली के विपरीत आचरण, शिक्षकों संग भेदभाव 2022–23 में डीए वितरण में अनियमितता हेतु कार्यवाही करते हुए बर्खास्त करने या अन्यत्र जिले में स्थानान्तरण की मांग कर रहे हैं। उक्त मांगों पर विभिन्न कार्यालयों सहित जिलाधिकारी कार्यालय से भी प्रार्थना पत्र की रिसीविंग या प्रार्थना पत्र पर हुई कार्यवाही से अवगत नहीं कराया जाता। न जाने किन परिस्थितियों के चलते जनहित में न्यायिक समस्याओं के समाधान में अधिकारी हीलाहवाली कर रहे हैं कहीं न कहीं अधिकारियों की ऐसी ही कार्यपद्धति से आम जनता में भाजपा सरकार की छवि धूमिल हो रही है । पार्टी को भी अधिकारियों की इस गतिविधि के विरुद्ध अभियान छेड़ना चाहिए व शिकायत शीर्ष नेतृत्व से करनी चाहिए । कहा कि इन सवालों को लेकर वे 2 सितम्बर से डीएम कार्यालय पर धरना देंगे।

पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा नेता सुनील सिंह, विनोद पाठक, प्रीती श्रीवास्तव, विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, अनिल तिवारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 31 अगस्त 2024 शनिवार

सम्पादकीय

विदेश में रोजगार और दलाल

अमेरिका आदि देशों में सुनहरे सब्जबाग दिखा मोटी रकम वसूलकर युवाओं को जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों पर समय रहते कार्रवाई न होना हमारे शासन—प्रशासन की विफलता ही कही जाएगी। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने—समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे ऐसा करके अपनी जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है। एक दशक से जारी यह गोरखधंधा वर्ष 2023 में तब उजागर हुआ था जब वर्ष 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे तीन से अधिक यात्रियों वाले एक चॉर्टर विमान को रोककर उसमें सवार अधिकांश भारतीयों को वापस भारत लौटा दिया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। पहले भारतीय एजेंट को प्रति व्यक्ति पैंतीस लाख देकर वे स्पेन पहुंचे, जहां उन्हें लावारिस छोड़ दिया गया। फिर वहां से प्रत्येक युवक ने पच्चीस लाख रुपये चुकाकर अमेरिका जाने की दुर्गम राह पकड़ी। अब इन पीड़ित युवाओं ने हर पंजाबी से अपील की है कि वे कभी भी पश्चिम जाने के लिये अवैध रास्ते को न चुनें। वे खुद को भाग्यवान मानते हैं इस खतरनाक रास्ते में लुटने—पिटने और भूखे रहने के बाद किसी तरह अमेरिका पहुंचे हैं। दरअसल, उनकी बदहाली की वजह वो भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट था, जिसने उन्हें मोटी रकम लेकर अमेरिका में कार्य वीजा दिलाने का झांसा दिया था ।

निस्संदेह, युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे तंत्र की विफलता ही है। यदि ऐसे एजेंट कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? वहीं युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोने लगते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां—बाप जमीन बेचकर व अपने गहने—मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? यह जानते हुए कि आये दिन तमाम युवा फर्जी एजेंटों के जाल में फंसकर अपना सबकुछ गवांकर देश लौटते हैं। पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना क्या उचित है? भारत अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई के लिये क्या कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न महाद्वीपों के राष्ट्रों को शामिल किए बिना दलाली—ठगी करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा संभव नहीं है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं। अपना कमीशन लेकर वे युवाओं को आगे धकेलते हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये तो चुप बैठ जाते हैं। कुछ समय बाद वे अपने नापाक खेल में फिर सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चौनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। इस लड़ाई में सभी हितधारक भी जिम्मेदार भूमिका निभाएं।

पेंशन की भांति किसानों को मिले उत्पाद की पूरी कीमत

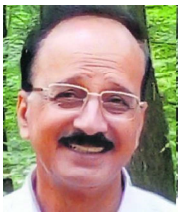

—देविंदर शर्मा—

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) सरकारी कर्मचारियों के लिए सम्मान और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा 'हमें उन सभी सरकारी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत पर गर्व है जो राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।' वास्तव में, यूपीएस, जो प्राप्त अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन का आश्वासन देता है दृ स्वीकारोक्ति है कि पहले वाली और बाजार नीत महंगाई से जुड़ी न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) सरकारी कर्मचारियों के लिए कारगर नहीं रही। सरकारी कर्मचारियों के लिए 'परिभाषित लाभ' सुनिश्चित करने के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेंशन योजना में बदलाव किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बाजार नीत अत्याचार (महंगाई) का सामना न करना पड़े।

हालांकि, प्रधानमंत्री ने कई मौकों पर देश के किसानों की सराहना की है और अकसर कृषक समुदाय द्वारा प्रदर्शित लचीलेपन की प्रशंसा की है, लेकिन लंबे वक्त से चली आ रही गारंटीशुदा कीमत की मांग पर विचार करने में कोई भी इच्छुक नहीं है। अगर सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए बाजार नीत महंगाई से निपटना मुश्किल हो रहा है, तो स्पष्ट कर दें कि बाजार नीत महंगाई किसान के लिए भी उतनी ही बड़ी समस्या है। अगर कर्मचारियों को एक सुनिश्चित पेंशन की जरूरत पड़ती है, तो किसान को भी सुनिश्चित कीमत की जरूरत है। दुनिया में कहीं भी बाजार ने किसानों के लिए उच्च आय सुनिश्चित नहीं की है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, या तो सब्सिडी देकर आय में घाटे की भरपाई की जाती है (चीन कृषि सब्सिडी प्रदान करने में शीर्ष पर उभरा है) या फिर कृषि को अपनी सुविधानुसार बाजार की ताकतों के रहमो—करम पर छोड़ दिया जाता है, मसलन, भारत में।

जैसा कि कुछ अध्ययनों से पता चला है, निष्कर्ष केवल यह है कि भारतीय किसान आय पिरामिड के निचले स्तर पर है, बल्कि पिछले लगभग 25 वर्षों से वे हर साल घाटा उठा रहे हैं। किसानों को कभी खत्म न होने वाली गरीबी से बाहर निकालने का एकमात्र कारगर ढंग है कृषि कीमतों की गारंटी कानूनी रूप से बाध्यकारी तंत्र बनाकर सुनिश्चित करना। परंतु इसकी परवाह न करते हुए, एनडीए सरकार ने कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट में पेश एक शपथपत्र में कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी देने वाला कानून बाजार में 'बिगाड़ ला देगा'। अजीब बात यह है कि जब किसानों की बात आती है, तो नीति निर्माता 'बाजार में बिगाड़' का वास्ता देकर और सुनिश्चित कृषि कीमतों से महंगाई पर आगे असर का हौवा खड़ा कर देते हैं। कर्मचारियों के मामले में सुनिश्चित पेंशन से किसी को कोई दिक्कत नहीं है, उनके मामले में, 'बाजार में बिगाड़' का डर अचानक गायब हो जाता है।

जब मुख्यधारा के अर्थशास्त्री मानते हैं कि कानूनन एमएसपी से उपभोक्ता कीमतें बढ़ेंगी और इस तरह 'बाजार में बिगाड़' होगा, तो वास्तव में, यह कॉर्पोरेट मुनाफे को कम करता है और इसीलिए हो—हल्ला मचता है। अजीब बात यह है कि मुक्त बाजार के हामी इन अर्थशास्त्रियों की यही नस्ल तब चुप रहती है जब अमेरिका में कॉर्पोरेट अपने उत्पाद की 'मूल्य वृद्धि' करते हैं दृ उपभोक्ताओं को नोच खाने के लिए कीमतों में बेजा बढ़ोतरी करते हैं। वास्तव में यह मूल्य विकृति है। अमेरिका में पहले से ही, कैलिफोर्निया, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क सहित 38 राज्यों ने ऐसे कानून बनाए हैं जो इस चलन को प्रतिबंधित करते हैं। उदाहरणार्थ, न्यूयॉर्क राज्य ने उन कंपनियों के खिलाफ कदम उठाया जिन्होंने महामारी के दौरान हैंड सैनिटाइजर की कीमतों में 400 प्रतिशत की वृद्धि की थी। और फिर भी, कई बाजार अर्थशास्त्री साफ नजर आने वाली ऐसी बाजार विकृतियों पर अंकुश लगाने के उपायों को सोवियत शैली के मूल्य नियंत्रण की ओर वापसी करार देते हैं। बाजार के पक्ष में यह पूर्वाग्रह तब पैदा होता है जब किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की बारी आए, लेकिन तब नहीं जब कॉर्पोरेट ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कीमतें बढ़ाते हैं। 'बाजार विकृति' पर यह दोगलापन किसानों को जीवनयापन की आय प्रदान करने की राह में अड़चन है। निरूसंदेह, किसानों को देय सुनिश्चित कीमत के अनुसार बाजार अपने आप समायोजित हो जाएंगे। यह केवल खास किस्म की विचारधारा ही है, जो अड़ंगा लगा रही है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कॉर्पोरेट द्वारा अनाप—शनाप मूल्यवृद्धि पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है, जो कोविड महामारी के बाद खाद्य और किराना वस्तुओं की कीमतों में आई 53 प्रतिशत वृद्धि के लिए अकेले जिम्मेदार हैं। रिपब्लिकनों ने उनके इस रुख को 'कम्युनिस्ट' ठहराया है। दक्षिणपंथी चाहे जो भी कहें, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है, जैसा कि कुछ अर्थशास्त्री भी स्वीकारते हैं कि बेजा मूल्यवृद्धि पर अंकुश अच्छी अर्थव्यवस्था के साथ—साथ अच्छी राजनीति भी है। हैरिस ने उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया है जो खाद्य कीमतों को कृत्रिम रूप से ऊंचा रख रही हैं।

वापस कर्मचारियों की पेंशन पर लौटते हुए, यह देखना दिलचस्प है कि व्यय विभाग इस निर्णय को सही ठहराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है, इसे 'राजकोषीय रूप से विवेकपूर्ण करार देते हुए दावा किया जा रहा है कि 'यह नागरिकों की भावी पीढ़ियों को वित्तीय कठिनाई से बचाएगा'। निश्चित रूप से, कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित पेंशन के खिलाफ कोई नहीं है। लेकिन यदि कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का आश्वासन दिया जा सकता है, तो कोई वजह नहीं है कि किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का भरोसा न दिया जा सके। वे राष्ट्रीय प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और उनकी अथक मेहनत की बदौलत ही देश में खाद्य सुरक्षा बनी हुई है।

मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के किसान कमलेश पाटीदार ने जब 10 एकड़ में खड़ी अपनी सोयाबीन की फसल को खुद ही रौंद दिया, तो उन्हें यह अहसास नहीं था कि इससे एक 'चेन रिएक्शन' शुरू हो जाएगा। घटना का वीडियो वायरल होने के कुछ ही दिनों बाद, कई अन्य दुखी किसानों द्वारा फसल उखाड़ने की खबरें आने लगीं। सोयाबीन की कीमतों में गिरावट— और वह भी कटाई के मौसम से डेढ़ महीने पहले— अर्थशास्त्रियों की एक और धारणा को नकारती है जो यह कहती है कि किसानों को कटाई तब तक रोक कर रखनी चाहिए जब तक कि उन्हें मंडी में फसल का भाव चढ़ा हुआ नजर न आने लगे। लेकिन यह जुगत भी कारगर न रही।

सोयाबीन की मौजूदा कीमतें 12 साल पहले के स्तर पर आ गई हैं, लेकिन कृषि पर निर्भर आजीविका के विनाश ने लाखों सोयाबीन किसानों को गुस्से से भर दिया है। कीमतें, जो एमएसपी से बहुत कम हैं, उत्पादन लागत तक निकालने के लिए भी पर्याप्त नहीं हैं। हैरानी की बात है कि हमारे पास किसानों के लिए एक सुनिश्चित मूल्य नीति कब होगी जो न केवल किसानों की भावी बल्कि वर्तमान पीढ़ी के लिए भी वित्तीय कठिनाइयों को रोकेगी। इसके तुरंत बाद, टमाटर की कीमतों में 60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25 किलोग्राम वाले क्रेट का भाव 300 रुपये के निचले स्तर पर आने की खबरें आईं। और फिर बासमती की कीमतों में 28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,500 रुपये प्रति क्विंटल आने की खबरें भी आईं। यह केवल इसी साल होने वाली कोई अनोखी बात नहीं है, बल्कि यह चलन एक दर्दनाक सालाना प्रवृत्ति बन चुका है, जिसको लेकर देश में चिंता नहीं है। किसान चाहे वह हो जिसके पास विपणन योग्य अतिरिक्त उत्पाद है या फिर हाशिए पर आता कृषक, जिसको प्रत्यक्ष आर्थिक मदद दी जाती है, उन्हें कानूनन गारंटीकृत एमएसपी प्रदान करना, वह बड़ा सुधार है जिसका इंतजार कृषि को शिद्दत से है।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

छत्रपति प्रतिमा का ढहना भ्रष्टता का प्रमाण

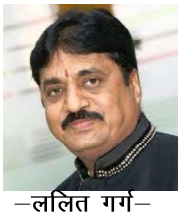

—ललित गर्ग—

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत—काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन—जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द—गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य—शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म—गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार—बार तार—तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी—तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे—बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ—साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल—1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सदप्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल—इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य—संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय—सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण—कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन—रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई "रिश्वत" छू नहीं सके, जिसको कोई "सिफारिश" प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे धर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर—भराकर गिरना बन्द होगा।

बीच बहस में आरक्षण

— अशोक मधुप—

सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हांलाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नहीं होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हांलाकि प्रदेश कैबिनेट में पास किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली कैबिनेट की बैठक में इस पर फिर विचार होगा।

हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आतेदूआते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबंधन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा।

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माध्यम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं।

प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले पर रोक लगा दी गई है। कैबिनेट ने फैसला स्थगित कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्राइवेट सेक्टर में कन्नड लोगों को 100 फीसदी आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कहा, हम कन्नड समर्थक सरकार हैं। सरकार के इस फैसले का चौतरफा विरोध होने पर इस पर रोक लगा दी गई। सरकार का कहना है कि इस बिल पर वह पुनर्विचार करेगी। देश में यह पहला ऐसा मामला नहीं है।

कर्नाटक से पहले प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश और हरियाणा में कोशिश की गई थी. वहीं, मध्य प्रदेश में भी सरकार ने ऐसा ही कहा था, लेकिन यह कोशिश रंग नहीं ला पाई थी। 2019 में आंध्र प्रदेश में पहली बार ऐसा कोई कानून बना था जहां 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण देने की बात कही गई थी। पर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। फिलहाल, ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

महाराष्ट्र में 2019 में शिवसेना—कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 80 प्रतिशत नौकरियां देने का प्रस्ताव लाया गया था। सरकार सरकार इसे विधानसभा में भी लाना चाहती थी। लेकिन इसे लाया नहीं गया।

एनआईए की टीम ने की छापेमारी, मचा हड़कंप

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल क्षेत्र के ग्राम करमहिया बड़का टोला में शुक्रवार की सुबह एनआईए, पुलिस और स्वाट टीम ने डेरा डालकर एक घर को घेर लिया। संयुक्त टीम की छापेमारी करीब चार घंटों तक चलती रही। इससे गांव में हड़कंप मच गया। इस दौरान संयुक्त टीम ने घर में तलाशी ली। एक युवक से पूछताछ के बाद उसे पकड़कर ग्राम डोमा स्थित उसके मेडिकल स्टोर पर ले गई। वहां से उसे छोड़ दिया। टीम अपने साथ युवक की डायरी आदि ले गई है। ग्राम करमहिया बड़का टोला निवासी एक गुप्ता परिवार के कुछ सदस्यों के बारे में संदिग्ध गतिविधि में शामिल होने के इनपुट पर शुक्रवार को एनआईए, पुलिस और स्वाट की टीमों ने इनके घर को घेरकर छापेमारी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि दवा की दुकान चलाने वाला इस गांव का एक युवक पहले किसी संगठन में शामिल रहने का संदिग्ध रहा है। इसी गांव में किराए का कमरा लेकर एक युवक नाम बदल कर रहता था और बगल के एक गांव में निजी विद्यालय में शिक्षक की नौकरी करता था। उसकी गतिविधियों को देखते हुए छह महीने पहले भी पुलिस टीम ने छापेमारी की थी। उसके बाद वह भाग निकला था। उसी के जरिए इस गांव के कुछ लोगों पर किसी संगठन में शामिल होने का संदेह बताया जा रहा है। हालांकि कोई इस बारे में कुछ स्पष्ट नहीं बता रहा है। निचलौल सीओ अनुज कुमार सिंह का कहना है कि इस समय वे पुलिस भर्ती परीक्षा की ड्यूटी में हैं। इस तरह की कोई जानकारी नहीं है।

निचलौल क्षेत्र के करमहिया गांव में वर्ष 2017–18 में कुशीनगर जिले के रहने वाले और नक्सली संगठन से जुड़े एक दंपत्ति ने आंध्र प्रदेश के इनामी नक्सली क्वांधन श्रीनिवासन को शरण दिलाई थी। वह करमहिया गांव में अपना नाम बदलकर अरविंद रखा था और बगल के गांव में एक निजी विद्यालय में शिक्षण का कार्य करता था। वर्ष 2020 में कोरोना काल में यहां से चला गया। उसी की खोज में बीते मार्च महीने में भी इस गांव में छापा पड़ा था। बताया जा रहा है कि वह करमहिया में दो–तीन घरों में बारी–बारी से रहता था।

तीसरी पुण्यतिथि पर याद किए गए शिक्षाविद उदयभान मल्ल

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा के राजाजीपुरम वार्ड बेलवा चौधरी स्थित किसान आदर्श इंटर कॉलेज के संस्थापक प्रबंधक, प्रधानाचार्य एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे स्व. उदयभान मल्ल की तीसरी पुण्यतिथि पर लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। मुख्य अतिथि पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह व सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया रहे। इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य महंथ संकर्षण रामानुज दास, पं. अवधेश चौबे, प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद, नागेंद्र मल्ल, सुरेंद्र मल्ल आदि ने स्व. मल्ल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने स्व. मल्ल के जीवन एवं विद्यालय के स्थापना काल के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने करीब चार–पांच दशक पूर्व ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन व साधन विहीन परिवार के बच्चों को उनके गांव के आसपास ही अच्छी शिक्षा देने के उद्देश्य से किसान आदर्श इंटर कॉलेज की स्थापना की। अपने जीवन के अंतिम समय में अपनी परिकल्पना को साकार करते हुए महिला डिग्री कॉलेज भी स्थापित किया। साथ ही राजनीतिक क्षेत्र में किसानों की समस्याओं को लेकर निरंतर मुखरित रहे। इस दौरान एनबी पाल, गजानंद मणि त्रिपाठी, ओए जोसफ, डॉ. पंकज तिवारी, अमरेंद्र मणि पांडेय, संतोष सिंह, कन्हैया प्रसाद, राजेश सिंह, मदन किशोर प्रसाद, सहदेव पांडेय, रामनाथ गुप्ता, राजेश, संतोष बका, प्रमोद जायसवाल, शशि कला सिंह, पूनम मल्ल सहित विद्यालय परिवार के सभी लोग उपस्थित रहे।

अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे अधिवक्ताओं का फूटा आक्रोश, डीएम के खिलाफ की नारेबाजी

संवाददाता–बलरामपुर। अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे अधिवक्ताओं का अक्रोश फूट पड़ा। डीएम कुर्सी पर बैठे–बैठे ज्ञापन लेना चाहते थे जबकि अधिवक्ता चौम्बर से बाहर आकर ज्ञापन देने की जिद पर अड़ गए। दोनों के बीच एक घंटे तक तनातनी बनी रही। अधिवक्ताओं ने डीएम ने खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कहा कि डीएम ने बाहर आकर ज्ञापन नहीं लिया तो वे कलेक्ट्रेट गेट पर लेटकर व चक्का जाम आंदोलन करेंगे। डीएम की गाड़ी को कलेक्ट्रेट के बाहर नहीं निकलने देंगे। बवाल की आशंका के मद्देनजर कोतवाली देहात व नगर की पुलिस कलेक्ट्रेट में तैनात कर दी गई। बवाल बढ़ता देख उसे टालने के लिए डीएम ने चौम्बर के बाहर आकर वकीलों का ज्ञापन प्राप्त किया।

उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय की ओर से हड़ताल व शोकसभा पर लगाए गए प्रतिबंध से अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को अधिवक्ता इसी मामले में जिलाधिकारी को ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट में सुबह करीब साढेः 11 बजे पहुंचे। वकीलों ने जिलाधिकारी से चौम्बर से बाहर आकर ज्ञापन लेने की बात कही। जिस पर डीएम ने इंकार करते हुए कहा कि अधिवक्ता चौम्बर के अंदर आकर ज्ञापन दे दें। खड़े होकर अथवा बाहर निकलकर ज्ञापन लेना लोकसेवा नियमावली के खिलाफ है। इस पर अधिवक्ताओं ने विरोध जताते हुए कहा कि वकीलों की संख्या अधिक है। चौम्बर में इतनी जगह नहीं है इसलिए डीएम को बाहर आकर ही ज्ञापन लेना उचित रहेगा। इसी बात को लेकर डीएम व अधिवक्ताओं के बीच तनातनी की स्थिति बन गई। एक ओर जहां डीएम पवन अग्रवाल अपने चौम्बर में बैठकर ज्ञापन लेने की बात कह रहे थे, वहीं अधिवक्ता चौम्बर से बाहर आकर ज्ञापन प्राप्त कराने की जिद पर अड़ गए। देखते ही देखते वकीलों ने जिलाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। दर्जनों की संख्या में मौजूद अधिवक्ता कलेक्ट्रेट बरामदे में बैठ गए। वकीलों ने कहा कि जब तक जिलाधिकारी ज्ञापन लेने बाहर नहीं आते हैं तब तक वे बरामदे में बैठे रहेंगे। फिर भी डीएम बाहर नहीं निकले तो अधिवक्ता कलेक्ट्रेट गेट पर लेटकर एवं चक्का जाम कर आंदोलन शुरू करेंगे। बवाल बढ़ता देख कलेक्ट्रेट में कोतवाली देहात व नगर की पुलिस भी तैनात कर दी गई। इसके बावजूद वकीलों ने नारेबाजी जारी रखी। जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश सिंह व महामंत्री संजय तिवारी के साथ साथ कमलेश्वर सिंह, जिला युवा बार संघ अध्यक्ष अनिल शुक्ला, कलेक्ट्रेट बार संघ महामंत्री अशोक मिश्रा सहित कई अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के इस रवैये को तानाशाही बताते हुए विरोध जताया। करीब एक घंटे तक अधिवक्ता नारेबाजी करते रहे। आखिकार बवाल बढ़ता देख डीएम ने चैम्बर से बाहर आकर वकीलों का ज्ञापन लिया।

डीएम पवन अग्रवाल के व्यवहार से अधिवक्ता पहले से ही नाराज हैं। कलेक्ट्रेट बार संघ महामंत्री अशोक मिश्र व पूर्व जिला युवा बार संघ अध्यक्ष अमित पाण्डेय ने बताया कि अधिवक्ता जब भी ज्ञापन देने आते हैं, जिलाधिकारी अपने चौम्बर में कुर्सी पर बैठकर ही ज्ञापन लेते हैं। पूर्व में दो बार अधिवक्ताओं ने ज्ञापन दिया है। जिसे डीएम ने अपनी कुर्सी पर बैठकर ही ज्ञापन प्राप्त किया। जिससे वकीलों में नाराजगी है। अधिवक्ताओं की नारेबाजी को देखकर एडीएम प्रदीप कुमार बार संघ के पदाधिकारियों की मनुहार करते दिखे। एडीएम ने वकीलों से कई बार कहा कि वे चौम्बर में चलकर डीएम को ज्ञापन दें, लेकिन अधिवक्ताओं ने ऐसा नहीं किया। अंततरू डीएम को अपने चौम्बर से बाहर आकर ज्ञापन लेना ही पड़ा।

पुल से लटकी यात्रियों से भरी बस, स्थानीय लोगों ने बचाई जान

संवाददाता–बहराइच। खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत रखौना गांव के पास सरयू नहर पर बने पुल पर यात्रियों से भरी बस लटक गई। बस में सवार यात्रियों की सांसे थम गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए किसी तरह बस को नियंत्रित किया। इस दौरान एक बालक पानी में गिर गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने छलांग लगाकर बालक को डूबने से बचाया। आसपास के लोगों ने दौड़कर राहत बचाव का कार्य शुरू किया। डबल डेकर बस एन एल 02 बी 3021 दिल्ली से सवारी लेकर महसी की ओर जा रही थी। बस में करीब 40 से 50 यात्री सवार थे। स्थानीय लोगों ने सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद जेसीबी मशीन मंगवा कर बस को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की असल वजह पुल की दोनों टूटी हुई रेलिंग व सकरा पुल बताया जा रहा है। उग्रसेन सिंह चौहान श्वंधुष , मनोज बाजपेई, मैनुदीन शाह सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि पुल की टूटी हुई रेलिंग के बारे में कई बार पीडब्ल्यूडी व नहर विभाग के अधिकारियों सहित एसडीएम को शिकायती पत्र सौंपकर मरम्मत कार्य करवाने की मांग की गई है लेकिन विभाग की ओर से कोई अमल नहीं किया गया। बीते चार माह पूर्व भी एक बोलेरो कार पुल से नीचे नहर में गिर गई थी। स्थानीय लोगों की मांग है की पुल की टूटी हुई रेलिंग को दुरुस्त कराया जाए साथ ही सकरे पुल को चौड़ा कराया जाय जिससे हादसा होने से बच सके।

कार ने दो बाइक में मारी ठोकर, एक युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया –सलेमपुर मार्ग पर शुक्रवार को एक कार ने दो बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि दूसरी बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल है। उसका मेडिकल कालेज देवरिया में इलाज चल रहा है। खुखुंदू थाना क्षेत्र के खजुरी करौता गांव निवासी महेन्द्र यादव (28) पुत्र मोतीलाल यादव एक बाइक पर एवं दूसरे बाइक से आदित्य (24) पुत्र अभय किसी कार्य से देवरिया जा रहे थे। दोनों बाइक सवार अभी देवरिया–सलेमपुर मुख्य मार्ग के मरौली चौराहा के समीप पहुंचे थे कि देवरिया के तरफ से आ रही कार ने दोनों बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक पर सवार महेंद्र की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरी बाइक पर सवार आदित्य गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महेन्द्र के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल आदित्य को इलाज के लिए एम्बुलेंस से मेडिकल कॉलेज देवरिया भेजवा दिया। एसओ दिग्विजय सिंह ने बताया कि एक कार ने दो बाइक में टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक सवार की मौत हुई है, दूसरी बाइक पर सवार युवक का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

सिद्ध पीठ वेद मंदिर में भक्ति का उल्लास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी की सिद्धपीठ वेद मंदिर में शुक्रवार को इंद्रधनुषी छटा बिखरी। जहां सुबह से ही उल्लास देखने को मिला। पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय माहौल में रंगा रहा। चहुंओर आनंद ही आनंद था, जिसमें रमकर भक्तजन खुशी से झूमने को आतुर दिखे। उनकी खुशी का कोई ठिकाना नही था। सभी उत्सव में सराबोर होकर गोता लगा रहे थे। मौका था मठ में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव बाद आयोजित भंडारे का, जिसमें अयोध्यानगरी के सभी संत–महंत, धर्माचार्य सम्मिलित हुए और प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव को श्रीवेद मंदिर सेवा ट्रस्ट के वर्तमान पीठाधिपति एवं अध्यक्ष श्रीमहंत रामनरेश दास महाराज ने अपना सानिध्य प्रदान किया। सर्वप्रथम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान भगवान को सुबह नवीन वस्त्र धारण कराया गया। तत्पश्चात उनका दिव्य श्रृंगार कर पूजन–अर्चन हुआ। उसके बाद विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोग लगाकर भव्य आरती उतारी। तदुपरांत भगवान के महोत्सव का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद पाकर सभी धन्य हुए व अपना जीवन सार्थक बनाया। उत्सव पर कई अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। मठ में दर्शन–पूजन का सिलसिला सुबह से लेकर देरशाम तक चलता रहा। अंत में साधु–संत और भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्रीवेद मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामनरेश दास महाराज ने बताया कि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। उत्सव बाद मठ के भक्त राजस्थान निवासी गनपत द्वारा संतों का भंडारा किया गया। भंडारे में काफी संख्या में संत–महंत सम्मिलित हुए। जिन्होंने बड़े ही श्रद्धा भाव के संग प्रसाद पाया। भक्त गनपत ने आए हुए संत–महंतों का स्वागत–सम्मान कर भेंट–विदाई दी। इस मौके पर कन्हैया दास, रामायणी गोवर्धन दास समेत अन्य संत–महंत, भक्तगण उपस्थित रहे।

उच्च कोटि के पहलवान बालमुकुंद दास को संतों ने किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। बजरंगबली की प्रधानतम पीठ सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में सागरिया पट्टी के संत बाबा बालमुकुंद दास महाराज को शिद्दत से याद किया गया। अवसर उनके पुण्यतिथि महोत्सव का था। जो मंदिर परिसर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस मौके पर शुक्रवार को श्रीहनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हनुमानगढ़ी में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। सभा में सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के संत–महंत समेत नागातीतों ने साकेतवासी बाबा बालमुकुंद दास को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर साकेतवासी बाबा बालमुकुंद दास महाराज के कृपापात्र शिष्य जयराम दास ने कहा कि उनके गुरुदेव गौ एवं संत सेवी होने के साथ–साथ भजनानंदी संत रहे। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार रहा। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी।

समर्पण से राष्ट्रसेवा करते हैं स्वयंसेवक

संवाददाता–बलरामपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम स्वयंसेवक पंडित राम सेवक वैद्य की पुण्यतिथि पर घुसाह में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय एवं जिला इकाई पदाधिकारियों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं सीमा जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री सत्यदेव एवं अवध प्रांत के संगठन मंत्री अमरनाथ बतौर मुख्य अतिथि एवं अवध प्रांत महामंत्री राम कृपाल शुक्ला जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्रा, जिला कार्याध्यक्ष पूर्व कमिश्नर उत्सवानंद विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्यामू पुत्र बंशी निवासी बहादुरपुर कादीपुर थाना पूरा कलन्दर तहसील बीकापुर जिला अयोध्या का निवासी हैं। मेरा पुत्र दूधनाथ उर्फ राजू मेरे कहने सुनने में नहीं है। वह अपनी पत्नी मीनू को काफी मारता पीटता है। उसके व्यवहार से पूरा परिवार परेशान है। उसके व्यवहार से दु:खी हो कर मैने उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

मो.नं. 7889844285

ब्रिटिश कालीन कोठियों की जमीन पर चढ़ेगा राज्य सरकार का नाम

संवाददाता–देवरिया। ब्रिटिश कालीन रतसिया कोठी, चकिया कोठी, प्रतापपुर व जगदीशपुर कोठी की करीब 5 सौ एकड़ सरकारी जमीनों पर अब राज्य सरकार का नाम चढ़ेगा। 15 अगस्त 1947 से अब–तक सरकार के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति और संस्थाओं के पक्ष में पारित नामान्तरण आदेश को मुख्य राजस्व अधिकारी ने निरस्त कर दिया है। उन्होंने यह जमीन सरकार के नाम से दर्ज करने के लिए एसडीएम भाटपाररानी को आदेश दिया है। सीआरओ ने उक्त जमीनों में सरकार का नाम दर्ज कर एक सप्ताह में खतौनियां उपलब्ध कराने को कहा है। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष बृज बांके तिवारी ने 20 जून–2023 को शिकायत किया था कि ब्रिटिश कालीन रतसिया कोठी, चकिया कोठी, प्रतापपुर व जगदीशपुर कोठी की सैकड़ों एकड़ सरकारी जमीनों की खरीद, बिक्री करने के साथ ही उन पर अबैध रूप से कब्जा किया गया है। उक्त कोठियों को ब्रिटिश काल में अंग्रेजों द्वारा स्थापित की गयी थी और उनके साथ सैकड़ों एकड़ जमीनें भी थी। समस्त कोठियों व उनके साथ की भूमि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 के अंतर्गत प्रबंध करने को राज्य सरकार को प्राप्त हुई। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–296 में दी गयी विधि व्यवस्था के अनुसार यह राज्य सरकार की संपत्ति है। लेकिन राज्य सरकार की जमीनों को अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा क्रय–विक्रय करने के साथ कई तरह से दुरूपयोग किया जा रहा है। उनकी शिकायत पर अग्रिम आदेश तक उक्त कोठियों की जमीनों के क्रय–विक्रय पर रोक लगायी गयी।

मुख्य राजस्व अधिकारी ने 29 अगस्त–24 को भाटपाररानी के उप जिलाधिकारी को पत्र लिखकर उक्त सैकड़ों एकड़ सरकारी जमीनों पर 15 अगस्त 1947 से अब–तक सरकार के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति, संस्थाओं के पक्ष में पारित नामान्तरण आदेश को मुख्य निरस्त कर भूमि सरकार के नाम से दर्ज करने का आदेश दिया है। सीआरओ ने उक्त जमीनों में सरकार का नाम दर्ज कर एक सप्ताह में खतौनियां उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्य राजस्व अधिकारी देवरिया जलराजन चौधरी ने कहा, एक अधिवक्ता ने शिकायत किया था कि भाटपाररानी तहसील में स्थित ब्रिटिश कालीन चार कोठियों की सैकड़ों एकड़ जमीनों की रोक के बावजूद भी खरीद बिक्री व दुरुपयोग किया जा रहा है। यह सभी जमीनें राज्य सरकार की हैं। इस पर अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं का दर्ज नाम निरस्त कर राज्य सरकार का नाम दर्ज करने के लिए एसडीएम भाटपाररानी को आदेश दिया गया है।

पिस्टल लहराते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर किया वायरल

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के एक गांव के एक युवक ने पिस्टल लहराते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। पुलिस ने इसकी जांच किया तो पिस्टल प्लास्टिक का निकला है। इस मामले में पुलिस ने पिस्टल का दुरुपयोग करने के आरोप में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि, हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। एसओ देवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पिस्टल लहराते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा था। इसकी जांच की गयी तो मालूम हुआ कि दीपक कुमार निवाद निवासी ग्राम बजहा उर्फ अहिरौली थाना निचलौल द्वारा खुद की आईडी से प्लास्टिक के पिस्टल के साथ वीडियो बनाकर अपलोड किया गया है। युवक के पास से प्लास्टिक का पिस्टल बरामद हुआ है। उसने पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। एसओ ने बताया कि इससे पिस्टल को दिखाकर दुरुपयोग करने की प्रबल आशंका बन रही है। ऐसे में दीपक कुमार निषाद के खिलाफ बीएनएस की धारा 170, 126, 135 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित हुए खेल कार्यक्रम

संवाददाता–बलरामपुर। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर वात्सल्य पब्लिक स्कूल में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन शुक्रवार को किया गया। वात्सल्य पब्लिक स्कूल एवं वात्सल्य इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 100 व 200 मीटर दौड़, इंडोर गेम लूडो व शतरंज का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पांच से आठ तक के अरिहंत, मृत्युंजय, मुस्कान, गुंजन, माही पांडेय, सृष्टि माधवी, अमय, शिवाशीष, निधि, अभिजीत, अखिल, शिवांश, रीता, रिया, शाश्वत, अरिहंत व मृत्युंजय ने प्रतिभाग किया। 200 मीटर दौड़ में कक्षा 8 के विद्यार्थी शिवांश विजयी हुए वहीं 100 मीटर रेस में कक्षा सात की प्रीति शुक्ला ने बाजी मारी।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन महोदय अयोध्या

वाद सं. 4555/2022

आशा देवी आदि

बनाम

उत्तर प्रदेश सरकार आदि

बनाम–1– कमलादेवी पत्नी आनन्द कुमार निवासी ग्राम पलिया लोहानी परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या 2–लालचन्द पुत्र रामनाथ निवासी ग्राम– सिधौंरा परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 06–09–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 09 के 06 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–अतिरिक्त मजिस्ट्रेट महोदय प्रथम अयोध्या

वाद सं. T 202304230107358

श्रीमती रामरती

बनाम

युवराज आदि

बनाम–1–युवराज पुत्र स्वर्गीय सरजू 2–मंजू देवी पत्नी स्वर्गीय सरजू निवासी ग्राम– सराय सागर परगना अमसिन तहसील सदर जनपद – अयोध्या

तारीख पेशी 02–09–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 09 के 02 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूल वाद सं0 1084/2018

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

श्रीमती निर्मला

बनाम

श्रीमती केशरा आदि

बनाम–1– राम प्रकाश पुत्र भदईराम 2–श्रीमती यशोधरा पत्नी स्वर्गीय राजकुमार 3– श्रीमती सरिता पुत्री स्वर्गीय राजकुमार 4– श्रीमती रिंका पुत्री स्वर्गीय राजकुमार 5– रूबी पुत्री स्वर्गीय राजकुमार 6– गुन्जा 7– अन्नू नाबालिक पुत्रीगण स्वर्गीय राजकुमार संरक्षिका श्रीमती यशोधरा माता स्वयं समस्त निवासीगण ग्राम–मैनपुर पोस्ट– पौसरा परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 18–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

सिविल अपील नं 50/2023

अदालत– श्रीमान अपर जिला जज नवम महोदय फैजाबाद

जमील अहमद

बनाम

क्रासलैन्ड इंजीनियरिंग आदि

बनाम–1– क्रासलैन्ड इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्टेक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर अमित यादव पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी आफिस 1009 दसवां प्लोर आइथम टावर सेक्टर 1 नोयडा उत्तर प्रदेश 2– सुब्बेर अली 3– अनवर अली 4– अन्सार अली 5– सरवर अली पुत्रगण सिकन्दर अली 6– हाजिरा बेवा सिकन्दर अली 7– गुलशेर अली 8– शमशाद अली 9– जुबेर अली 10– दिलशाद अली पुत्रगण नकछेद अली 11– रमजानी बेवा नकछेद अली 12– अफसर जहां पत्नी स्वर्गीय अहमद अली 13– जाने आलम पुत्र अहमद अली समस्त निवासीगण 2 ता0 13 ग्राम–पिलखावा परगना मगलसी तहसील सोहावल जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 16–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूल वाद सं0 1024/2023

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मीना बानो

बनाम

मु0 अख्तर आदि

बनाम–1– मु0 अख्तर पुत्र स्वर्गीय मु0 गुलाम 2– मु0 आरिफ पुत्र मु0 अख्तर 3– मु0 तुफैल पुत्र मु0 अख्तर 4– नाजिश परवीन पुत्री मु0 अख्तर समस्त निवासीगण 1 ता0 4, 262 बी0 तेली टोला पापुलर गली शहर फैजाबाद तहसील सदर जिला– अयोध्या 5– नूरउल्लाह पुत्र स्वर्गीय अब्दुल गनी निवासी फतेहगंज शहर फैजाबाद तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 25–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 24 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

प्रेमिका ने मां से कहा, बेटी की हत्या कर दी है, डाक बंगले से जाकर लाश ले लो, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। जिले में गोसाईगंज नगर के रेलवे स्टेशन के पीछे बने डाक बंगले के खंडहरनुमा कमरे में गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मिले युवती की शव के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। युवती की हत्या उसके प्रेमी ने ही की थी और शव को डाक बंगले के एक कमरे में छोड़कर फरार हो गया। आरोपी ने ही युवती की मां को फोन कर बताया कि बेटी की हत्या कर दी है, लाश डाक बंगले में पड़ी है, जाकर ले लो। एसएचओ परशुराम ओझा के मुताबिक नृशंस ढंग से 21 वर्षीय युवती की हत्या को अंजाम देने वाले युवक की पहचान सुल्तानपुर के थाना कूरेभार के देवकली निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है। उसे बृहस्पतिवार रात दो बजे गोसाईगंज कस्बे के महादेवा मंदिर रोड से गिरफ्तार किया गया। युवक के पास से मृतका का दो मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है।

पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूलते हुए बताया कि उसका सविता नामक युवती के साथ प्रेम प्रसंग तीन साल से चल रहा था। वह मुंबई में नौकरी करता था। पांच माह वह उसके साथ मुंबई में भी लिव इन रिलेशन में रह चुकी है। सविता की बड़ी बहन और भाई की शादी के समय उसकी मां के अनुरोध पर वह मई माह में सविता को लेकर मुंबई से वापस आया था। इसके बाद वह बालगोविंद नामक एक अन्य युवक के साथ बातचीत करने लगी। उसका फोन तक उठाना बंद कर दिया, जो उसे नागवार लगा। बीते 21 अगस्त को उसने युवती को फोन करके गोसाईगंज कस्बे में बुलाया। उसे लेकर रेलवे स्टेशन के पीछे बने डाक बंगले में पहुंचा। यहां दोनों की तकरार हुई। इसके बाद उसका गला दबाकर हत्या कर शव को वहीं छोड़कर भाग गया। गुरुवार को उसी ने युवती की मां को फोन कर शव की लोकेशन बताई थी। गुरुवार की दोपहर बाद अंबेडकर नगर के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के कनक पट्टी, दशमढे निवासी कमला देवी ने गोसाईगंज कोतवाली पहुंचकर बताया कि उनके पास एक फोन आया था। बातर करते हुए किसी ने बताया कि तुम्हारी बेटी का शव गोसाईगंज स्टेशन के पास डाक बंगले में पड़ा है। महिला की पुत्री घर से 21 अगस्त को महामाया मेडिकल कालेज में इलाज के लिए निकली थी लेकिन उसकी गुमशुदगी की सूचना कहीं दर्ज नहीं है।

पुलिस के खोजबीन के बाद डाक बंगले के पुराने खंडहरनुमा कमरे से युवती का सड़ा–गला शव बरामद किया। शव को हत्या के बाद जलाए जाने की भी आशंका है। मां ने कपड़ों व चप्पल से बेटी के शव की पहचान की। शव के हाथ और पैर ही बचे हैं। बाकी पेट से गर्दन तक का हिस्सा बिल्कुल खत्म है। सिर का भी पता नहीं है। हत्या का आरोपी विवाहित है और उसके दो बच्चे भी हैं। पुलिस ने विधिक कार्रवाई के बाद हत्या के आरोपी का चालान कर जेल भेज दिया।

पूर्व परिचित युवक ने किन्हीं कारणों से क्षुब्ध होकर युवती की हत्या की है। परिवार से मिली तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी ने पूछताछ में हत्या करना बकूल किया है। शव मिलने के 12 घंटे के भीतर घटना का खुलासा कर दिया गया है। – राजकरण नय्यर, एसएसपी

शराब पीने से मना किया तो बेटे ने ईंट से मार कर बाप की ले ली जान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के चाईजोत गांव में शराब पीने से मना करने पर बेटे ने बाप की ईंट से मार कर जान ले ली। पुलिस ने मृतक के छोटे बेटे की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के चाईजोत गांव राम कुमार (56) इधर कई दिनों से बीमार चल रहा था। उसका बेटा विजय गुरुवार रात शराब पीकर आया और गालीगलौज करने लगा। पिता ने शराब छोड़ देने की नसीहत दी तो वह आग बबूला हो गया। मौके पर मौजूद अपने छोटे भाई अक्षय कुमार को भी मारने दौड़ा। वह भाग कर दूर चला गया। इस दौरान घर के सामने बिछी इंटर लॉकिंग सड़क की ईंट उठा कर विजय ने चला दी जो उसके पिता राम कुमार के सीने में लग गई। उनकी हालत खराब होने लगी तो लेकर परिवार वाले अस्पताल जा रहे थे तभी मौत हो गई। मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया। आरोपी के छोटे भाई अक्षय कुमार ने पुलिस को घटना की सूचना देने के साथ तहरीर दी। तहरीर में उसने बड़े भाई विजय पर आरोप लगाया कि उसके ईंट चलाने से पिता के सीने में लग गई इससके उनकी मौत हो गई। हालांकि तहरीर में उसने यह भी लिखा है कि भाई की नीयत पिता की हत्या करने की नहीं थी। पुलिस ने तहरीर के आधार आरोपी विजय के खिलाफ धारा 105, 125, 352 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष बृजेश सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपी विजय को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

नायब तहसीलदार के घर से ढाई लाख नगदी और 12 लाख के आभूषण भी लूट ले गए बदमाश

संवाददाता–गोरखपुर। देवरिया जिले में तैनात नायब तहसीलदार के गोरखपुर सहजनवा कस्बा के वार्ड नंबर नौ पिपरा के घनश्याम नगरी में स्थित घर में गुरूवार देर रात को अज्ञात बदमाशों ने घर की महिला को असलहा सटा कर करीब 12 लाख रुपया कीमत के जेवरात और 2.50 लाख रुपया कैश लूट लिया। सूचना के बाद पुलिस व फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर जांच पड़ताल की। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

नगर पंचायत के वार्ड नंबर नौ पिपरा घनश्याम नगरी निवासी यदुवंश यादव देवरिया जिले में नायब तहसीलदार हैं। घर पर पत्नी के अलावा दो पुत्र और पुत्र वधुएं रहती हैं। रात में करीब ढ़ाई बजे के आसपास तीन बदमाश छत के रास्ते घर में घुस गए। इसी दौरान उनकी पत्नी का नींद टूट गई और वह कमरे से बाहर आई। कमरे से बाहर आते ही बदमाश ने अपने पास रखा असलहा सटा दिया और घर में रखे सोने का एक हार , चांदी पाजेब एक, सोने का कंगन तीन, झाली एक, सोने की अंगूठी दस, मंगलसूत्र पांच, कान की बाली आठ, नथिया दो, झुमका दो, मांग टीका दो, सोने का चेन दो और 12 जोड़ी पायल चुरा लिया, जिसकी कीमत बाजार में 12 लाख रुपया के आसपास है। साथ ही घर में रखा ढ़ाई लाख रुपया कैश भी लूट लिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की। साथ ही रात को फोरेंसिक टीम बुला कर भी जांच की गई। पुत्र वैभव यादव की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया गया है।

एसपी की फर्जी आईडी बनाकर विवादित पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसपी प्राची सिंह की फर्जी आईडी बना कर विवादित पोस्ट डालने वाले आरोपी को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी श्रावस्ती जिला का निवासी है। वह सोशल मीडिया पर लाइक, व्यूज बढ़ाने को अधिकारियों की फर्जी आईडी बना कर पोस्ट करता था। एसपी की फर्जी आईडी बनाकर आरोपी ने एक विवादित पोस्ट डाली थी। मामला पुलिस के संज्ञान में आया तो एसआई हरिओम कुशवाहा जो कि एसपी के पीआरओ भी हैं ने साइबर क्राइम में लिखित शिकायती पत्र देकर अज्ञात के खिलाफ धारा 302, 318(2), 319(2), 336, 338, 353,(2) बीएनएस व 66 (सी) आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज करा दिया। केस दर्ज होने के बाद थाना साइबर क्राइम, एसओजी व सर्विलांस टीम आरोपी की तलाश में लग गई थी। शुक्रवार को सीओ अपराध सुजीत राय ने खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस टीम ने एसपी की फर्जी आईडी पर विवादित पोस्ट करने वाले आरोपी को महनगा पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शानू पुत्र कादिर निवासी मोहल्ला लाजपत नगर पोस्ट एकौना जिला श्रावस्ती का निवासी है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बताया कि उच्चाधिकारियों की फर्जी आईडी बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था इससे ग्रे लाइक, व्यूवज अधिक मिलते थे और बदले में धन की प्राप्ति होती थी। एसपी प्राची सिंह की फर्जी आईडी बनाकर विवादित पोस्ट डालने वाले के खिलाफ उनके पीआरओ हरिओम कुशवाहा ने 25 जुलाई को केस दर्ज कराया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थाना साइबर क्राइम, एसओजी व सर्विलांस टीम लगी थी फिर भी गिरफ्तारी होने में एक माह से ज्यादा का समय लग गया।

रामजानकी मार्ग मड़पौना गड्ढे में फंसा ट्रक, आवागमन बाधित

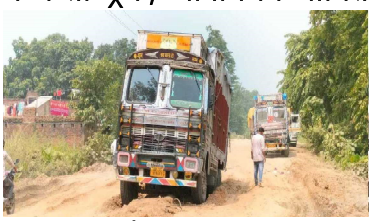

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में राम जानकी मार्ग पर मड़पौना के पास शुक्रवार को सड़क पर बने गड्ढे में एक ओवर लोड ट्रक के फंस जाने से लगभग दो घन्टे तक बड़ी गाड़ियों का आवागमन ठप हो गया। ट्रकों की लाइन लगी रही। वहीं छोटे वाहनों को आने–जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ी। ऐतिहासिक राम जानकी मार्ग के चौड़ीकरण का कई वर्ष से निर्माण कार्य चल रहा है। कहीं–कहीं तो निर्माण कार्य का पहले चरण पेटिंग कार्य पूरा हो गया है। और कहीं–कहीं सड़क का निर्माण कार्य अधूरा रहने से सड़क पर बने गड्ढों में बड़े वाहनों को फंस जाने से राहगीरों को दुर्गति झेलनी पड़ रही है। राम जानकी मार्ग पर सबसे खराब स्थिति मड़पौना से तेलियागंज लगभग एक किलोमीटर तक है। यहां मुआवजे की मांग को लेकर सड़क का चौड़ीकरण कार्य पिछले दो वर्ष से ठप पड़ा हुआ है। निर्माण कार्य ठप होने से सड़क की सूरत दयनीय हो चुकी है। एक लोड ट्रक शुक्रवार को कलवारी से धनघटा की तरफ जा रहा था। सुबह लगभग दस बजे मड़पौना राम जानकी मार्ग बने गड्ढे में फंस गया। फंसे ट्रक के पीछे दो दर्जन बड़ी गाड़ियों की कतार लग गई। कुछ समय बाद सड़क पर कार्य कर रही एनएचएआई विभाग की जेसीबी ट्रक निकालने के लिए लगाई गई। ट्रक निकालने के बाद आवागमन बहाल हो सका। करीब दो घंटे आवागमन बाधित रहा।

अरबपतियों की सूची में अयोध्या के लक्ष्मण दास भी, 500 लोगों की सूची में 360वें स्थान पर

संवाददाता–अयोध्या। अरबपतियों की सूची में अयोध्या के लक्ष्मण दास का भी नाम है। हारुन इंडिया रिचलिस्ट के टॉप 500 लोगों की इस सूची में अयोध्या के रामनगर मोहल्ले के निवासी लक्ष्मण दास लध्गनी का नाम शामिल किया गया है। लक्ष्मण दास यूपी में पांचवें स्थान पर हैं। 70 वर्षीय लक्ष्मण दास की कंपनी अमृत बॉटलर्स मल्टीनेशन कंपनी कोकाकोला के यूपी के फ्रेंचाइजी के तौर पर काम करती है। लक्ष्मण दास की कंपनी 7700 करोड़ की संपत्ति के साथ देश के पांच सौ लोगों की सूची में 360 वें स्थान पर हैं। लक्ष्मण दास पिछले पांच वर्षो से अस्वस्थ हैं। लक्ष्मण दास के चार पुत्र हैं। राकेश लधानी, नरेश लधानी, राजेश लधानी व रौशन लधानी ही उनका कारोबार संभालते हैं। यूपी के अधिकांश जिलों में कोकाकोला कंपनी के उत्पादों की आपूर्ति लक्ष्मण दास की कंपनी ही करती है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0– C 202317000000190

अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

हरिवंश आदि

बनाम

भैरव ग्रामीण शिक्षा निकेतन आदि

1. भैरव ग्रामीण शिक्षा निकेतन द्वारा प्रबन्धक तीर्थराज पुत्र अयोध्या निवासी बालूशासन तप्पा उतरावल परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर 2. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीर नगर 3. ग्राम सभा बालूशासन जरिये प्रधान निवासी बालूशासन तप्पा उतरावल परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर 2. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी संतकबीरनगर 3. ग्राम सभा बालूशासन जरिये प्रधान निवासी बालूशासन तप्पा उतरावल परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर 4. भू0प्र0स0 बालूशासन जरिये अध्यक्ष निवासी बालूशासन तप्पा उतरावल परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर

तारीख पेशी 27–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0– C 202317000000757

अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

भानुप्रताप सिंह आदि

बनाम

शिवपूजन आदि

1. शिवपूजन पुत्र महादेव 2. सुखई पुत्र महादेव 3. रामनरायन पुत्र महादेव साकिन सुकरौली तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 4. ग्रामसभा सुकरौली जरिये प्रधान ग्राम सुकरौली तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 27–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 27 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–70/2024

1. शक्ति पुत्र स्व0 नरेन्द्र कुमार उम्र करीब 22 साल माता श्रीमती सुनीता

2. शिवम पुत्र स्व0 नरेन्द्र कुमार उम्र करीब 15 साल 3. प्रियाशू पुत्र स्व0 नरेन्द्र कुमार उम्र करीब 12 साल संरक्षक बड़ा भाई शक्ति, माता श्रीमती सुनीता साकिन मोहल्ला नगर पालिका परिद बांसी जनपद सिद्धार्थ नगर

–वादी

बनाम

सरकार

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 03–09–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 09 के 03 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 67/2024

पंकज चौहान–सायल

1 पंकज चौहान पुत्र देवी प्रसाद साकिन अमोढ़ा खास लोनियापार तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

एमपीपीजी कॉलेज में ऑनलाइन होगा छात्रसंघ चुनाव

संवाददाता–गोरखपुर। अध्ययन, अध्यापन, परिसर संस्कृति, सामाजिक सरोकार और छात्रसंघ जैसे अनेक आयामों पर रोल मॉडल के रूप में उभरे महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय (एमपीपीजी) जंगल धूसड़ ने अब एक और नवाचार किया है। यह नवाचार छात्रसंघ चुनाव को लेकर किया गया है। महाविद्यालय इस बार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा विकसित किए गए पूर्णतः स्वदेशी सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन चुनाव कराने जा रहा है। अवजपदह.उहनह.ब.पद नामक यह सॉफ्टवेयर देश मे शिक्षण संस्थानों के छात्रसंघ चुनाव के लिए बना पहला सॉफ्टवेयर है। महाराणा प्रताप महाविद्यालय में शुक्रवार से शुरू चुनाव की प्रक्रिया बिना कक्ष संचालन में बाधा पहुंचाए शनिवार तक यानी महज दो दिन में पूरी हो जाएगी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य एवं इस बार के छात्रसंघ चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि शुक्रवार को कक्षा संचलन के साथ ही विद्यार्थियों के मासिक मूल्यांकन, व्यवहार और आचरण के आधार पर कुल 84 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया गया। इसके बाद अपराह्न 3 बजे से 4रू30 बजे तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री और पुस्तकालय मंत्री के पदों के लिए पर्चा दाखिला हुआ। यहां छात्रसंघ चुनाव में पदाधिकारी का चुनाव लड़ने के लिए कक्षा प्रतिनिधि होना अनिवार्य है। शनिवार (31 अगस्त) को सुबह 9 बजे से 11:30 बजे तक पर्चा वापसी और जांच की प्रक्रिया के बाद अपराह्न 2:10 बजे से प्रत्याशियों का योग्यता भाषण (क्वालिफाइंग स्पीच) होगा। इसके बाद शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक ऑनलाइन मतदान हॉग और रात 11 बजे चुनाव परिणाम कॉलेज की वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा। प्राचार्यध्निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि इस बार के छात्रसंघ चुनाव में ऑनलाइन मतदान के लिए पहली बार गोरखपुर में ही तैयार स्वदेशी सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जा रहा है। यह सॉफ्टवेयर महायोगी गोरखननाथ विश्वविद्यालय की आईटी (इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी) टीम ने तैयार किया है।

इसके पहले महाराणा प्रताप महाविद्यालय में कोरोना काल में पहली बार ऑनलाइन मतदान का प्रयोग किया था, तब फ्रांस में बने सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया था। कोरोना काल में जब पूरे देश में शैक्षिक गतिविधियों पर बुरा प्रभाव था, तब भी इस महाविद्यालय ने ऑनलाइन पढ़ाई के साथ ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराकर एक नजीर पेश की। कोरोना काल मे छात्रसंघ चुनाव कराने वाला यह उत्तर प्रदेश का पहला कॉलेज था। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव बताते हैं कि इस महाविद्यालय में वर्ष 2007 से छात्र पदाधिकारियों को कॉलेज प्रशासन की सक्रिय सहभागिता से जोड़ा गया। पहले छात्र परिषद का गठन हुआ और बाद में इसका स्वरूप छात्रसंघ का हुआ। जब पूरे प्रदेश में कहीं भी छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए तब भी महाराणा प्रताप महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के जरिये छात्र पदाधिकारियों को पूरा महत्व दिया गया। इस कॉलेज के छात्रसंघ के पदाधिकारी प्रवेश समिति, क्रीड़ा समिति, प्रयोगशाला समिति, पुस्तकालय समिति, नियंत्रा मंडल, शिक्षक–अभिभावक समिति, पुरातन छात्र परिषद, क्रय समिति सहित सभी प्रमुख समितियों में पदेन सदस्य होते हैं। पहले चुनाव प्रक्रिया तीन दिन में पूरी होती थी, इस वर्ष इसे घटाकर दो दिन कर दिया गया है। इसकी समय सारिणी इस तरह की बनाई जाती है जिससे चुनाव की प्रक्रिया में कक्षाओं का संचालन बाधित नहीं होने दिया जाता। छात्रसंघ चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदान का सॉफ्टवेयर विकसित करने वाली महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आईटी टीम के लीडर और इस विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर बी. सुमिध ने बताया कि यह सॉफ्टवेयर अवज.पदह.उहनह.ब.पद सिर्फ मतदान की समय सीमा तक ही खुलेगा। कॉलेज में पंजीकृत छात्र मतदाता मतदान शुरू होने के समय अपने मोबाइल नंबर से लिंक क्लिक करेंगे तो एक ओटीपी आएगा। ओटीपी भरने पर वह पेज खुल जाएगा जहां अलग अलग पदों के प्रत्याशियों के विकल्प होंगे।

प्रत्याशी का चयन कर छात्र मतदाता को सबमिट बटन दबाना होगा। सबमिट होते ही मतदान पेज खुद ही बंद हो जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी तरह की सेंधमारी की कोई गुंजाइश नहीं है। कारण, एक मोबाइल नंबर से एक ही बार लॉगिन होगा और दूसरा इसे इस तरह से विकसित किया गया है जिसकी कोडिंग को हैकर तोड़ नहीं पाएंगे। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के बाद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में भी ऑनलाइन मतदान के लिए इसी सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा। अन्य उच्च शिक्षण संस्थान भी अपने यहां ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आईटी टीम से यह सॉफ्टवेयर क्रय कर सकते हैं। कोरोना काल में जब महाराणा प्रताप महाविद्यालय ने पहली बार ऑनलाइन मतदान के लिए फ्रांस के सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल किया था, तब प्रति छात्र 11 रुपये का खर्च आया था।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

निगरान सं0 /2024

C 202417000000491

अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

गंगा प्रसाद

बनाम

सरकार आदि

1. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर बस्ती 2. गुलाबा देवी पत्नी पबारू निवासी नगर खास तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. कुलदीप कुमार पुत्र रामसुमेर ग्राम बेलाड़ी तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 21 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 66/2024

पंकज चौहान–सायल

1 पंकज चौहान पुत्र देवी प्रसाद साकिन अमोढ़ा खास लोनियापार तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 541/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

कुवँर कन्हैया शुक्ला

बनाम

संतोष कुमार शुक्ला आदि

1. संतोष कुमार शुक्ला उम्र लगभग 44 वर्ष पुत्र रामनरायन हाल मुकाम साकिन बभनगाँवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती स्थायी पता ग्राम छतौरा पोस्ट नेवारी तप्पा मधौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. कृष्णदेव उम्र 70 वर्ष पुत्र रूपनरायन 3. हरिशंकर पुत्र श्याम सुन्दर 4. हरिश्चन्द्र उम्र लगभग 60 वर्ष 5. ज्ञानचन्द्र उम्र लगभग 57 वर्ष 6. लालचन्द्र उम्र लगभग 52 वर्ष 12. मनोज कुमार पुत्र ओम प्रकाश ग्राम छतौरा पोस्ट नेवारी तप्पा मधौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 16–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com